हंसराज कॉलेज
— दिल्ली विश्वविद्यालय —

HANSRAJ COLLEGE
University Of Delhi
NAAC Grade A+ with CGPA 3.62

2021-2022

Name of the Department/Society: हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय
Name of the Event 2: राम कथा की परंपरा और तुलसी का मानस
Date of the Event: 17-08-2021

प्रभारी : डॉ. नीतू शर्मा

परामर्शदाता : डॉ. राजेश कुमार शर्मा

हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय द्वारा संचालित 17 अगस्त 2021 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय "राम कथा की परंपरा और तुलसी का मानस" था। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर हिंदी विभाग, काशी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर सिंह थे। इस कार्यक्रम का आरंभ हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रमा के स्वागत वक्तव्य तथा मुख्य अतिथि के सम्मान के उपरांत हुआ। डॉ. प्रभाकर सिंह तुलसीदास की रामचरितमानस का महत्व बताते हुए कहते हैं– तुलसी ने रामचरितमानस में जिस कथा का निरूपण किया है , उसका संयोजन अन्य अनेक ग्रन्थों से लेकर किया है। 'रामचरितमानस ' की सामग्री वेद , शास्त्र , पुराण , बाल्मीकि रामायण , अध्यात्म रामायण , हनुमन्नाष्टक आदि कई ग्रन्थों से ली गई है । तुलसी ने इन समस्त ग्रन्थों से रामचरितमानस के लिए कथा – सूत्र एवं विषय – वस्तु का संकलन कर एक उदात्त कथा का सृजन किया , किन्तु सबसे बड़ी बात तो यह है कि तुलसी ने शब्दों को एक साथ अनुभूत कर आत्मसात कर लिया है। 'रामचरितमानस ' की कथा किन्हीं अन्य ग्रन्थों से ली गयी न होकर तुलसी की स्वयं अनुभूत एक व्यापक कथा का अलौकिक संयोजन हो गई हैं ऐसा प्रतीत होता है कि समस्त संस्कृत वाङ्मय , समस्त आर्य संस्कृति एकत्र होकर तुलसी की रचना शैली की यह विशेषता है कि कहीं भी उसकी मौलिकता में व्याघात नहीं पहुंचता है। और तुलसीदास ने अपने महाकाव्य में किस प्रकार

पिता पुत्र का संबंध , माता पुत्र का संबंध , पति पत्नी का संबंध और अन्य प्रकार के समन्वय स्थापित किए हैं।

Scanned with CamScanner

इस कार्यक्रम का संचालन हंसराज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नृत्य गोपाल शर्मा ने किया तथा इस कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Scanned with CamScanner